

Januar 2017

| | | |
|-----|-----|------------------------|
| So | 1. | Neujahr-Gd. 11 Uhr |
| Mo | 2. | |
| Di | 3. | |
| Mi | 4. | |
| Do | 5. | |
| Fr | 6. | |
| Sa | 7. | Himmelsgarten 16 Uhr |
| So | 8. | Gottesdienst 10.30 Uhr |
| Mo | 9. | |
| Di | 10. | |
| Mi | 11. | |
| Do | 12. | |
| Fr | 13. | |
| Sa | 14. | |
| So | 15. | Gottesdienst 10.30 Uhr |
| Mo | 16. | |
| Di | 17. | |
| Mi | 18. | |
| Do | 19. | |
| Fr | 20. | |
| Sa | 21. | |
| So | 22. | Gottesdienst 10.30 Uhr |
| Mo | 23. | |
| Di | 24. | |
| Mi | 25. | |
| Do | 26. | |
| Fr | 27. | |
| Sa | 28. | |
| So | 29. | Gottesdienst 10.30 Uhr |
| Mo | 30. | Winterferien |
| Di. | 31. | |



Der gute Hirte – ein Symbol für Jesus

und dafür, was Gott

von Verantwortlichen in der Gesellschaft und Kirche erwartet.



gestaltet von Kindern unserer Gemeinde unter der Leitung von Birgit Wiemann

Jesus sagt im Johannes-Evangelium: „Ich bin der gute Hirte. Der gute Hirte setzt sein Leben ein für die Schafe. Der Leiharbeiter,... dem die Schafe nicht gehören, der sieht den Wolf kommen und lässt die Schafe im Stich und flieht, und der Wolf reißt und versprengt sie. ... Ich bin der gute Hirte und kenne die Meinen, und die Meinen kennen mich,... Ich setze mein Leben ein für die Schafe.“ (Joh. 10,14ff)